आभार

सर्वप्रथम मैं ईश्वर के प्रति अपना आभार प्रकट करती हूँ, जिनकी असीम कृपा से मैं अपना शोध-प्रबंध सफलता पूर्वक पूर्ण कर पायी हूँ । इस शोध-कार्य के दौरान मुझे अपने आदरणीय गुरूजनों एवं शुभेच्छुओं से उपयुक्त मार्गदर्शन एवं भरपूर प्रोत्साहन मिला । मैं अपने शोध-निर्देशक डॉ॰ सूर्यकान्त त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर का आभार व्यक्त करती हूँ, जिनके सतत मार्ग निर्देशन और अमूल्य सुझाव के कारण ही इस ग्रंथ की उत्कृष्टता एवं प्रामाणिकता बनी रही । वस्तुतः पूरे शोध-कार्य के दौरान वह मेरे प्रेरणा एवं उत्साह के स्रोत बने रहे, जिसके कारण मैं अपना शोध-कार्य निश्चित समय पर संपन्न कर सकी ।

मैं तेजपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व-अध्यक्ष प्रो॰ अनन्त कुमार नाथ, पूर्व-प्राध्यापक डॉ॰ भूषण चन्द्र पाठक, सांस्कृतिक अध्ययन विभाग के पूर्व-अध्यक्ष प्रो॰ सुनील कुमार दत्ता एवं समाजशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ॰ सुमेश एस॰ को भी उनके बहुमूल्य सुझाव एवं सतत सहयोग के लिए, जो मुझे इस शोध कार्य के दौरान मिला, अपना आभार एवं कृतज्ञता ज्ञापित करती हूँ । मैं तेजपुर विश्वविद्यालय के सभी अध्यापकों, कर्मचारियों एवं पदाधिकारी गणों को उनके सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए अपना आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ ।

सभी पुस्तकालयाध्यक्षों, केन्द्रीय पुस्तकालय, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, केन्द्रीय पुस्तकालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता, केन्द्रीय पुस्तकालय, जवाहरलाल नेहरू

महाविद्यालय, पासीघाट का जिन्होंने मुझे अपने शोध-कार्य से संबंधित पुस्तकों एवं शोध-पत्रिकाओं को उपलब्ध कराने की विशेष सुविधा एवं सहयोग प्रदान किया, के लिए धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ।

इस शोध कार्य के लिए तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा मुझे फेलोशिप प्रदान किया गया, जिसके लिए मैं विश्वविद्यालय को विशेष आभार व्यक्त करती हूँ।

मैं अपने सभी मित्रों एवं संबंधियों को जिन्होंने मुझे इस शोध-कार्य के लिए प्रेरणा एवं उत्साह प्रदान किया, धन्यवाद देती हूँ। मैं अपनी माँ-पिताजी एवं भाई अवनिन्द्र कुमार को इस शोध कार्य के दौरान उनके प्रेरणा, उत्साह एवं सतत् सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूँ। वस्तुतः मैं अपने पिता स्व॰ दिनेश्वर राय एवं माँ श्रीमती सुधा राय के विचारों से प्रेरित होकर ही इस शोध कार्य को संपन्न कर पायी हूँ। मैं अपने पति, दोनों बच्चे आदित्य और अंशुमान के सहयोग को, जिसे मैं कभी भूल नही सकती, के लिए धन्यवाद देती हूँ। अंत में मैं अपने सभी शोधार्थी मित्रों एवं कुमारी पल्लवी का हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मेरी इस शोध यात्रा को सुगम बनाने में अपना योगदान दिया।

अपराजिता राय
शोधार्थी
हिन्दी विभाग
तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर (असम)